आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति अपनाने के लिए एक मार्गदर्शिका

सबके लिए स्मार्ट शहर

अभिस्वीकृति

इस उपकरण का विकास उन विशेषज्ञों के योगदान के बिना संभव नहीं हुआ होता, जो विश्व भर में आईसीटी सुगम्यता के अधिक बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन को सक्रियता के साथ प्रोत्साहित कर रहे हैं।
निम्नलिखित समीक्षकों के अमूल्य योगदानों को कृतज्ञतापूर्वक स्वीकृत किया जाता है:

गुनेला एस्टब्रिंक, प्रिंसिपल, जीएसए इन्फोकॉम
निकोल बोहन, निदेशक, अक्षमता के लिए सैन फ्रांसिस्को महापौर का कार्यालय
डेविड एम. कैपोज़ी, कार्यकारी निदेशक, अमरीका का सुगम्यता बोर्ड **अरफ़राज़ खंबाटा,** सहायक निदेशक, अक्षमता के लिए सैन फ्रांसिस्को महापौर का कार्यालय
लॉरा रूबी, निदेशक विश्व-व्यापी सुगम्यता नीति और मानक, Microsoft निगम
हजिमी यमादा, बोर्ड की अध्यक्षा, जापान का सूचना संप्रेषण नीति मंच
रेनाता ज़ेनेती

1

कार्यकारी सारांश

आज विश्व भर में स्मार्ट शहरों के सामने विद्यमान है एक महान अवसर, अर्थात अपनी उल्लेखनीय क्रय-शक्ति, जिसमें सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकियाँ (आईसीटी) खरीदना भी शामिल है, का उपयोग करके अक्षमता-युक्त व्यक्तियों और बुजुर्ग जनों के अधिकारों को आगे बढ़ाने और उनके लिए डिजिटल समावेशन की व्यवस्था करने का अवसर। सरकारों द्वारा अथवा सरकार द्वारा वित्त-पोषित कार्यक्रमों द्वारा खरीदे जाने वाले आईसीटी उपकरणों, सॉफ्टवेयर, अनुप्रयोग, और सेवाओं की सुगम्यता को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक प्राप्ति प्रक्रियाओं को अब उत्तरोत्तर एक अत्यंत कारगर नीतिगत उपकरण के रूप में देखा जा रहा है। सार्वजनिक प्राप्तियों के सकारात्मक प्रभावों में विश्व भर में उत्पन्न हुई रुचि दो सुपरिचित सुगम्यता-संबंधी सार्वजनिक नीतिगत कार्रवाइयों के कारण है - अमरीका के पुनर्वास अधिनियम का अनुभाग 508 (जो संघ सरकार की प्राप्तियों, विकास, अनुरक्षण, और सुगम्य इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकियों की खरीद को नियमित करता है); और, ईटीएसआई ईएन 301 549 (यूरोपीय सुगम्यता मानक जिसमें यूरोप में आईसीटी उत्पादों और सेवाओं की सार्वजनिक प्राप्ति के लिए सुगम्यता-संबंधी कसौटियाँ शामिल की गई हैं)। विश्व भर के विशेषज्ञ सहमत हैं कि सुगम्य स्मार्ट शहर निर्मित करने के लिए यह बहुत ज़रूरी है कि सभी सार्वजनिक प्राप्तियों में सुगम्यता की आवश्यकता को अनिवार्य बनाया जाए। स्मार्ट शहर कार्यक्रम वर्तमान आदर्श नीति और सर्वोत्तम प्रथाओं का लाभ लेकर सुगम्य आईसीटी उत्पादों और सेवाओं की सार्वजनिक प्राप्ति के लिए कारगर नीतियाँ विकसित कर सकते हैं।

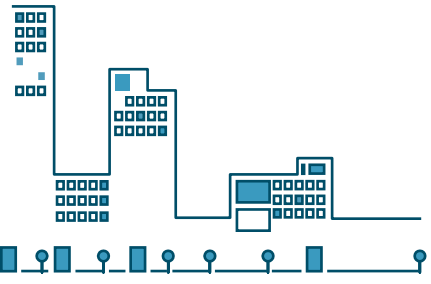

> *स्मार्ट शहर परिषद स्मार्ट शहर की परिभाषा इस तरह करती है - एक ऐसा शहर जो "उसमें जीवन-यापन करने और उसमें काम करने के अनुभव को उन्नत करने के लिए, और अपनी स्वपोषणीयता (स्स्टेनेबिलिटी) को बढ़ाने के लिए सूचना और संप्रेषण प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का उपयोग करता है।"*

उददेश्य

इस मार्गदर्शिका का उद्देश्य है, शहरों को ऐसी नीति अपनाने में मदद करना जो इन शहरों द्वारा खरीदी गई सभी आईसीटी खरीदों का अक्षमता-युक्त व्यक्तियों और बुजुर्ग जनों के लिए सुगम्य होना अनिवार्य बनाती है। आईसीटी सुगम्यता नीतियाँ अपनाने से उद्योगों और शहरों को आपूर्ति करने वाले पक्षों को भी सुगम्यता के क्षेत्र में शहरों द्वारा उन्हें प्रदान की गई स्पष्ट दृष्टि का लाभ प्राप्त होगा। इस मार्गदर्शिका को शहरों द्वारा प्रौद्योगिकियाँ प्राप्त करने से जुड़े विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों को समर्थित करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। स्मार्ट शहरों को प्रौद्योगियों की आपूर्ति करने वाले पक्षों, सुगम्यता विशेषज्ञों, स्मार्ट शहर कार्यक्रम के प्रबंधकों, नीति-निर्माताओं, स्मार्ट शहरों के लिए ऐप और तकनीकी समाधान विकसित करने वाले डेवलपरों, स्मार्ट शहरों पर शोध कर रहे शोधकर्ताओं, अक्षमता के क्षेत्र में काम कर रहे संगठनों, और स्मार्ट शहरों को अधिक समावेशी बनाने के विचार के पैरोकारों के लिए भी यह मार्गदर्शिका रुचि का विषय होगी।

इस दस्तावेज़ को सबके लिए स्मार्ट शहर: प्राथमिकतापूर्ण आईसीटी सुगम्यता मानकों के क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शिका नामक दस्तावेज़ के संपूरक के रूप में अभिकल्पित किया गया है। यह दस्तावेज़ प्रमुख आईसीटी सुगम्यता कसौटियों को परिभाषित करने वाले प्राथमिकतापूर्ण मानकों की एक सूची का परिचय देता है।

अपने शहरों में आईसीटी सुगम्यता में सुधार लाने के लिए किस तरह मानकों और नीतियों को लागू किया जा सकता है, इसके बारे में बेहतर समझ प्राप्त करने हेतु प्रत्येक दस्तावेज़ का अलग से अथवा दूसरे दस्तावेज़ों के साथ में उपयोग किया जा सकता है।

> *संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमानों के अनुसार, पूरे विश्व की आबादी का 15% या कुछ 1 अरब व्यक्ति एक या अधिक अक्षमताओं के साथ जीवन-यापन करते हैं।*
>
> *इसके अतिरिक्त, बुजुर्ग जनों - अर्थात वे लोग जो 60 साल से अधिक उम्र के हैं - में से 46 प्रतिशत में अक्षमताएँ हैं और 25 करोड़ से अधिक बुजुर्ग जन मध्यम से लेकर गंभीर अक्षमता अनुभव करते हैं।*

सबके लिए स्मार्ट शहर परियोजना का सिंहावलोकन

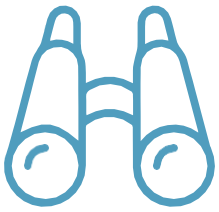

जून 2016 में, जी3आईसीटी और वर्ल्ड एनेबेल्ड (अर्थात सक्षम विश्व) ने विश्व भर के स्मार्ट शहरों में आईसीटी सुगम्यता और अक्षमता-युक्त व्यक्तियों और बुजुर्ग जनों के डिजिटल समावेशन की वर्तमान स्थिति को परिभाषित करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय पहल शुरू की। इस पहल में शामिल थे शहर-शासन, उद्योग, नागरिक समाज, और शिक्षा-क्षेत्र से जुड़े 250 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों का सर्वेक्षण; वैश्विक स्मार्ट शहरों में (क्विटो, बार्सिलोना, लंदन, सान फ्रांसिस्को, और न्यू योर्क) गोल-मेज़ चर्चाओं की शृंखला; और, स्मार्ट शहर कार्यक्रमों के प्रबंधकों और प्रौद्योगिकी-विदों के साथ आमने-सामने की बातचीत। इस पहल ने पुष्टि कर दी है कि आज के अधिकतर स्मार्ट शहर पूरी तरह से सुगम्य नहीं हैं और इसके परिणामस्वरूप अक्षमता वाले व्यक्तियों को एक निरंतर बढ़ रही डिजिटल खाई का सामना करना पड़ रहा है।

2016 में सबके लिए स्मार्ट शहर परियोजना द्वारा सर्वेक्षित 60 प्रतिशत वैश्विक विशेषज्ञ मानते हैं कि आजकल के स्मार्ट शहर अक्षमता वाले व्यक्तियों का साथ छोड़ रहे हैं। इसके परिणाम अनेक क्षेत्रों में देखे जा रहे हैं, जिनमें शामिल हैं स्वावलंबी जीवन, परिवहन, ई-शासन, रोज़गार, नागरिक संलग्नता, सुरक्षा एवं न्याय, आपातकालीन प्रतिक्रिया, मतदान और निर्वाचन, और वित्तीय सेवाएँ। वैश्विक विशेषज्ञों को आईसीटी सुगम्यता मानकों और विश्व भर के स्मार्ट शहर कार्यक्रमोंके बीच कोई स्पष्ट संबंध नहीं नज़र आ रहा है। सर्वेक्षित वैश्विक विशेषज्ञों में केवल 18% ऐसे स्मार्ट शहरों से परिचित थे जो आईसीटी सुगम्यता मानकों का उपयोग करते हैं। आगे बढ़ते हुए, विश्व भर के विशेषज्ञ इस विश्वास को लेकर स्पष्ट हैं कि सच्चे अर्थों में सुगम्य स्मार्ट शहर निर्मित करने के लिए, आईसीटी की सभी सार्वजनिक प्राप्तियों में सुगम्यता को एक अनिवार्य कसौटी बनाना ज़रूरी है।

सुगम्यता प्रौद्योगिकी क्या है?

मोटे रूप से, सुगम्यता को आईएसओ टीसी 159 ने इस तरह परिभाषित किया है: "किसी उपयोग के निर्दिष्ट संदर्भ में किसी निर्दिष्ट लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विविध अभिलक्षण और क्षमताएँ रखने वाले व्यक्तियों की कोई समष्टि जिस सीमा तक उत्पादों, प्रणालियों, सेवाओं, परिवेशों और सुविधाओं का उपयोग कर सकती है, वह सीमा।"

जब बात अधिक विशिष्ट रूप से आईसीटी पर आती है, तब यह आम तौर पर माना जाता है कि सुमग्यता कंप्यूटर, मोबाइल फोन, स्वयं-सेवा खोका, या कोई सॉफ्टवेयर जैसी मुख्य-धारा की प्रौद्योगिकी का वह गुण है, जिसके कारण उपयोगकर्ताओं (उनकी क्षमताओं और अक्षमताओं पर विचार न करते हुए) का विस्तृततम तबका उसका उपयोग कर पाता है।

सुगम्यता किसी भी व्यक्ति के लिए किसी युक्ति को देख पाना, सुन पाना और उसका उपयोग कर पाना, तथा अपनी निजी पसंदों, आवश्यकताओं और क्षमताओं के अनुरूप उसे गढ़ पाना अधिक आसाना बनाती है। अनेक लोगों के लिए, सुगम्यता ही वह चीज़ है जो स्मार्ट शहर कार्यक्रमों और डिजिटल सेवाओं में उनकी पहुँच को संभव बनाती है।

सार्वजनिक प्राप्ति क्या है?

आम तौर पर सार्वजनिक प्राप्ति का संबंध पारदर्शी रीति से और प्रतिस्पर्धात्मक बोलियाँ लगाकर निजी क्षेत्र के ठेकेदारों और विक्रेताओं से माल और सेवाएँ खरीदने से है। सार्वजनिक प्राप्ति से संबंधित नीतियाँ माल, सेवाएँ, और अधिसंरचना विकास किस तरह खरीदे जाते हैं, इसके लिए अपेक्षाएँ, कसौटियाँ और सीमाएँ निश्चित करती हैं।

सार्वजनिक प्राप्ति

> "...से मतलब उस प्रक्रिया से है जिससे सरकारी विभाग या स्थानीय अधिकरण जैसे सार्वजनिक अधिकरण कंपनियों से काम, माल या सेवाएँ खरीदते हैं" (यूरोपीय आयोग)
>
> "...वह प्रक्रिया है जिससे सार्वजनिक अधिकरणों द्वारा माल और सेवाएँ खरीदने के लिए ठेके दिए जाते हैं" (सीईएनईएलईसी)
>
> "...से मतलब है सरकारों और राज्य के स्वामित्व में कार्य करने वाले उद्यमों द्वारा माल, सेवाएँ और काम खरीदा जाना" (ओईसीडी)

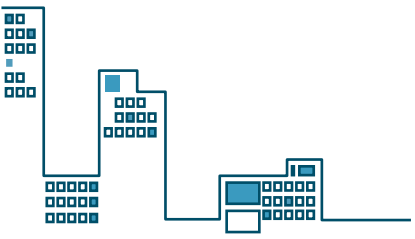

आईसीटी सुगम्यता की सार्वजनिक प्राप्ति के लिए क्या-क्या नीतियाँ हैं?

सरकारों अथवा सरकार द्वारा वित्त-पोषित कार्यक्रमों द्वारा खरीदे जाने वाले आईसीटी उपकरणों, सॉफ्टवेयर, अनुप्रयोग, और सेवाओं की सुगम्यता को बढ़ावा देने के लिए सार्वजनिक प्राप्ति प्रक्रियाओं को अब उत्तरोत्तर एक अत्यंत कारगर नीतिगत उपकरण के रूप में मान्यता मिलने लगी है। आज आईसीटी गोपनीयता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकारों द्वारा उन्हें अपनी प्राप्तियों में शामिल किया जाना एक आम प्रथा हो गई है। आईसीटी सुगम्याता को भी इसी तरह से शामिल किया जा सकता है। सार्वजनिक प्राप्तियों के सकारात्मक प्रभावों में विश्व भर में उत्पन्न हुई रुचि दो सुपरिचित सुगम्यता-संबंधी सार्वजनिक नीतिगत कार्रवाइयों के कारण है - अमरीका के पुनर्वास अधिनियम का अनुभाग 508 (जो संघ सरकार की प्राप्तियों, विकास, अनुरक्षण, और सुगम्य इलेक्ट्रॉनिक और सूचना प्रौद्योगिकियों की खरीद को नियमित करता है); और, ईटीएसआई ईएन 301 549 (यूरोपीय सुगम्यता मानक जिसमें यूरोप में आईसीटी उत्पादों और सेवाओं की सार्वजनिक प्राप्ति के लिए सुगम्यता-संबंधी कसौटियाँ शामिल की गई हैं)।

ऐसा क्यों कहा जाता है कि शहर अपनी प्राप्ति नीतियों के ज़रिए डिजिटल समावेशन की अगुआई करने के लिए अद्वितीय स्थिति में हैं?

आजकल शहर ही वे जगहें हैं जहाँ विश्व की अधिकांश आबादी रहती है। शहरों में अक्षमता-युक्त व्यक्तियों और बुजुर्ग जनों का अनुपात तेज़ी से बढ़ रहा है। 2050 तक, विश्व की 70 प्रतिशत आबादी शहरों में रह रही होगी, और उनमें से 15% अक्षमता-युक्त व्यक्ति होंगे। वैश्विक दक्षिण में स्थित द्वितीय और तृतीय स्तर के शहर शहरीकरण की वृद्धि में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं और अक्षमता वाले लोगों का 80% इन विकासशील देशों में निवास करते हैं। शहरीकरण और वृद्धीकरण के रुझान घनिष्ट रूप से परस्पर निबद्ध हैं। वैश्विस स्तर पर, 2000 और 2015 के बीच, 60 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों की संख्या शहरी क्षेत्रों में 68 प्रतिशत बढ़ी है, जिसकी तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में यह वृद्धि 25 प्रतिशत ही रही है। ये जनसांख्यिकीय रुझान शहरों को वैश्विक अक्षमता अधिकारों का केंद्र बना देते हैं। दरअसल, सभी वैश्विक शहरों में से 84% ऐसे देशों में स्थित हैं जो पहले से ही अक्षमताओं वाले व्यक्तियों के अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र संधि (सीआरपीडी) में शामिल हैं। रॉकफेलर प्रतिष्ठान के 100 लचीले शहरों (रेसिलिएंट सिटीज़) में से प्रत्येक शहर ऐसे देशों में स्थित है जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र सीआरपीडी को अनुमोदित किया है और/या उस पर हस्ताक्षर किए हैं।

शहर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी विश्व स्तर पर नेतृत्वधारी भूमिका निभाते हैं। 2015 में, विश्व के 4 अरब शहरवासियों में से 89 प्रतिशत को 3जी मोबाइल ब्रोडबैंड आवरण प्राप्त था, जबकि विश्व के 3.4 अरब ग्रामीण जनों में से केवल 29 प्रतिशत को यह आवरण प्राप्त था। शहर विश्व के आर्थिक इंजन हैं, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 80 प्रतिशत का निर्माण करते हैं। मात्र 20 प्रमुख शहर विश्व स्तर की बड़ी कंपनियों की एक-तिहाई की मेजबानी करते हैं और विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का 16 प्रतिशत का निर्माण करते हैं। इन सर्वोच्च व्यावसायिक केंद्रों में जमा हुई कंपनियों की आय विश्व भर की सभी बड़ी कंपनियों की समेकित आय के 40 प्रतिशत से अधिक है।

विश्व भर में देखे जा रहे जनसांख्यिकीय रुझान और मानवाधिकार, प्रौद्योगिकी, और आर्थिक उत्पादन से संबंधित मात्रकों में शहरों की वैश्विक अगुआई शहरों को अपनी हैसियत का लाभ उठाते हुए अक्षमता अधिकारों के वैश्विक केंद्रों के रूप में उभरने का अवसर प्रदान करती है। इस मार्गदर्शिका में दिए गए उपकरणों और जाँच-सूचियों का उपयोग करके शहर अपनी आईसीटी प्राप्ति नीतियों के ज़रिए बढ़े हुए डिजिटल समावेशन को परिचालित कर सकते हैं।

2

आदर्श आईसीटी सार्वजनिक प्राप्ति नीति

विश्व भर के स्मार्ट शहर कार्यक्रम पहले से ही मौजूद एक आदर्श प्राप्ति नीति से लाभ उठा सकते हैं, जिसे प्रमुख संगठनों और विश्व-स्तर के विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया है। आईटीयू और जी3आईसीटी आदर्श आईसीटी सुगम्यता नीति प्रतिवेदन सरकार के सभी स्तरों के नीति-निर्धारकों के लिए एक व्यावहारिक मार्गदर्शिका है। इसका मॉड्यूल 6 विशेष रूप से एक आईसीटी सुगम्यता सार्वजनिक प्राप्ति नीति ढाँचा प्रस्तुत करता है। इस आदर्श नीति को राष्ट्रीय और अन्य प्रशासनिक स्तरों के लिए अभिकल्पित किया गया है, और वह शहरों और स्थानीय अधिकरणों के लिए बहुत ही अधिक प्रासंगिक है। शहर इस नीति की भाषा को शहर के स्तर की आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति में समेकित करके उसे अपना सकते हैं।

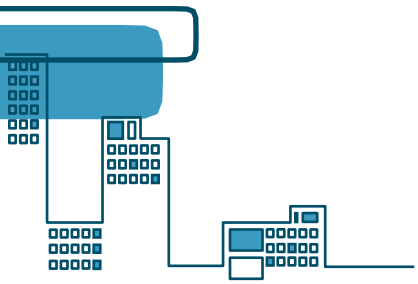

लेकिन, जो शहर इस आदर्श प्राप्ति नीति का उपयोग करने पर विचार कर रहे हैं, उनके लिए यह जानना महत्वपूर्ण होगा कि कुछ प्रमुख दृष्टियों से उनके द्वारा अपनाई जाने वाली प्राप्ति नीति का स्वरूप राष्ट्रीय सरकारों द्वारा अपनाई जाने वाली आईसीटी प्राप्ति प्रक्रिया के स्वरूप से भिन्न हो सकता है। उदाहरण के लिए, शहर के स्तर के शासन में, आईसीटी और प्रौद्योगिकी की खरीद की प्रक्रिया अक्सर एक अलग प्राप्ति प्रक्रिया के रूप में नहीं चलाई जाती है। इसलिए, जब शहर अधिसंरचना की खरीद करता है जिसमें प्रौद्योगिकी भी एक घटक के रूप में विद्यमान होती है, तब वह अक्सर उस घटक को भी समग्र निविदा में या बाज़ार से प्राप्त करने के अभिगम में सम्मिलित कर देता है। ये अक्सर काफी जटिल प्राप्तियाँ होती हैं जिनमें आईसीटी उनमें अंतर्स्थापित अधिक बड़े बहु-वर्षीय, अरबों रुपयों के ठेकों का उप-घटक होती है; अक्सर ये जटिल क्रय संरचनाओं के तहत आती हैं, जिनमें आईसीटी प्रदाता निविदा का उत्तर देने वाले पक्षों का उप-ठेकेदार होता है, और शहर शासन सचमुच प्रौद्योगिकी समाधान के चयन के दायित्व को इन पक्षों को प्रत्यायोजित कर सकता है।

आदर्श नीति क्या है?

वह वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से संरेखित होती है और दो स्तरों पर मार्गदर्शन करती है:

- राष्ट्रीय, क्षेत्रीय या संगठन के स्तर पर सार्थक, मापनीय और व्यावहारिक रीति से सुगम्यता को शामिल करने वाली प्राप्ति नीतियाँ विकसित करने हेतु उच्च-स्तरीय नीतिगत मार्गदर्शन।
- प्राप्ति अधिकारी और परियोजना प्रबंधक किस तरह अपने प्राप्ति गतिविधियों में तुरंत ही सुगम्यता को शामिल करना शुरू कर सकते हैं, इसके बारे में व्यावहारिक परामर्श।

वह निम्नलिखित उद्देश्य साधने के लिए सभी स्तरों पर सार्वजनिक प्राप्ति अभिकरणों द्वारा सुगम्यता को अनिवार्य बनाने की आवश्यकता को रेखांकित करती है

- अक्षमता वाले लोगों के लिए रोज़गार को बढ़ावा देना; और
- सुगम्य आईसीटी उत्पादों और सेवाओं के लिए बाज़ार निर्मित करना।

वह प्राप्ति के प्रमुख चरणों (जिनमें शामिल हैं निविदा के लिए आवेदन, आकलन, चयन प्रक्रिया, मूल्यांकन और समीक्षा) के लिए नीति हेतु विचार करने योग्य नमूने की भाषा प्रस्तुत करती है।

वह एक उत्पाद सुगम्यता खाके और प्रकार्यात्मक निष्पादन कथनों के एक समुच्चय का संदर्भ देती है, जिसका उपयोग विभिन्न आईसीटी सुगम्यता प्रकार्यों के आकलन के लिए किया जा सकता है (यह अमरीका के वर्तमान सुगम्यता मानकों के अनुभाग 508 या यूरोपीय ईटीएसआई ईएन 301 549 पर आधारित है)।

इसका उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है:

- वर्तमान प्राप्ति नीतियों में सुगम्यता के अंश शामिल करने के लिए
- नगरपालिका और क्षेत्रीय शासन सहित शासन के विभिन्न स्तरों की वर्तमान नीतियों को संपूरित करने वाली स्वतंत्र आईसीटी प्राप्ति नीतियाँ विकसित करने के लिए
- संगठन के स्तर पर आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति विकसित करने अथवा मौजूदा नीति को अद्यतित करने के लिए।

आदर्श नीति के प्रमुख भागों में शामिल हैं

- प्रमुख सिद्धांतों की परिभाषाएँ (पृष्ठ 95 – 96)
- आईसीटी सुगम्यता सार्वजनिक प्राप्ति नीति का लक्ष्य तथा उसका सारांश (पृष्ठ 96- 98)
- उद्देश्य और सिद्धांत (पृष्ठ 98 – 99)
- भूमिकाएँ और ज़िम्मेदारियाँ (पृष्ठ 100)
- प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण और जागरूकता (पृष्ठ 101 – 102)
- नीति के मुख्य ध्येयों का विवरण (पृष्ठ 101)
- तैयारी करने के लिए किए जाने वाले अध्ययनों में सुगम्यता का औचित्य पृष्ठ 102 – 103)।
- प्राप्ति प्रक्रिया के अति-महत्वपूर्ण चरण और गतिविधियाँ - जानकारी का अनुरोध (पृष्ठ 103)
- मौजूदा मानकों का उपयोग करते हुए सुगम्यता की आवश्यकताएँ निर्मित करना (पृष्ठ 104)
- आईसीटी प्राप्ति नीति का दायरा (पृष्ठ 104 – 105)
- सुग्मयता मानकों को पूरा करने की आपूरकों की क्षमता का आकलन (पृष्ठ 105 – 106)
- ठेके के परिच्छेदों के लिए सुझाव तथा ठेका प्रबंधन (पृष्ठ 107)
- नीति का अनुवीक्षण, अपवाद, और समीक्षा।

3

आईसीटी अपनाने के सात चरण सुगम्यता प्राप्ति नीति

अक्षमता वाले व्यक्तियों और बुजुर्ग जनों के डिजिटल समावेशन के प्रति समर्पित स्मार्ट शहर आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति अपनाने के लिए निम्नलिखित सात चरणों का अनुसरण कर सकते हैं।

यह अपेक्षित है कि किसी भी शहर में प्रौद्योगिकियों की प्राप्ति में कोई भी भूमिका निभाने वाले लोग अलग-अलग होंगे। इसलिए निम्नलिखित सात चरणों का नेतृत्व अलग-अलग भूमिकाएँ निभाने वाले लोगों द्वारा किया जाना बिलकुल संभव है, जिनमें शामिल हैं प्राप्ति निदेशक, सूचना प्रौद्योगिकी प्रबंधक, मुख्य सूचना अधिकारी (सीआईओ), या अक्षमता आयुक्त:

चरण 1: नेतृत्व करने वाले व्यक्तियों को संगठित करना और उनकी जागरूकता में वृद्धि करना

चरण 2: वर्तमान आईसीटी और प्राप्ति नीतियों की समीक्षा करना

चरण 3: किसी अंतर्राष्ट्रीय आईसीटी सुगम्यता मानक को अपनाकर उसे स्थानीय स्तर पर लागू करना

चरण 4: आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति अपनाने के लिए सार्वजनिक जागरूकता और समर्थन निर्मित करना

चरण 5: शहर के स्तर के दिशा-निर्देशों में समेकित करने के लिए आदर्श नीति को अपनाना

चरण 6: शहर भर के अभिकरणों में क्रियान्वयन को सक्षम करना

चरण 7: नई प्राप्ति नीति के क्रियान्वयन का अनुवीक्षण और समीक्षा

चरण 1: नेतृत्व करने वाले व्यक्तियों में जागरूकता लाने के लिए संगठित प्रयास करें

- ☐ शहर में नेतृत्व निभाने वाले व्यक्तियों और अन्य रसूखदार व्यक्तियों की एक छोटी-सी टीम निर्मित करें जो आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति अपनाने की आवश्यकता और उसे अपनाने के लाभों के बारे में एक-दूसरे में जागरूकता लाएँगे (इन व्यक्तियों में शामिल हो सकते हैं, मुख्य सूचना अधिकारी, अक्षमता आयुक्त, प्रमुख प्राप्ति अधिकारी, आदि)।
  - नेतृत्व टीम में और परामर्श प्रक्रिया में उद्योगों को और अक्षमता वाले व्यक्तियों को शामिल करें।
  - इसकी पक्की व्यवस्था करें कि ज़मीनी स्तर पर निविदाएँ विकसित करने वाले व्यक्तियों, संगतता विश्लेषण और उत्पाद की सुगम्यता का आकलन करने वाले व्यक्तियों, आदि के दृष्टिकोण प्राप्त किए जाते हैं। ये लोग एक सफल प्राप्ति नीति के अभिकल्पन और क्रियान्वयन के लिए अति महत्वपूर्ण हैं।
- ☐ शहर के नेतृत्वधारी व्यक्तियों की छोटी टीम में साझी समझ विकसित करने और उनके द्वारा प्रयुक्त भाषा और शब्दावली में समानता लाने के लिए आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति पर प्रशिक्षण और चर्चागोष्ठियाँ आयोजित करें, और इनमें डिजिटल खाई को पाटने के औचित्य पर भी चर्चा करें।
  - अक्षमता के क्षेत्र में काम कर रहे संगठनों और उद्योगों के साथ वर्तमान में चल रहे प्रशिक्षण और चर्चाओं का उपयोग करके बाज़ार में उपलब्ध कुछ प्रमुख आईसीटी सुगम्यता विकल्पों की छानबीन करें। बाज़ार के लिए सेवाएँ प्रदान करने वाले पक्षों को शामिल करें।
- ☐ प्राप्ति नीति को अपनाने के विभिन्न विकल्पों पर विचार करें और आगे बढ़ने के लिए एक चरण-बद्ध योजना विकसित करें।

चरण 2: वर्तमान आईसीटी और प्राप्ति नीतियों की समीक्षा करें।

- ☐ जाँचें कि क्या आपके शहर की वर्तमान प्राप्ति नियम सुगम्यता या समावेशन का जिक्र करते हैं या नहीं, तथा क्या उनमें मौजूद प्रमुख परिभाषाएँ सर्वोत्तम प्रथाओं के साथ सुसंगत हैं।
  - आदर्श नीति (अनुभाग 1) में दी गई परिभाषाएँ देखें।
  - निर्धारित करें कि क्या आपके शहर के प्राप्ति नियमों और विनियमों में नियमित समीक्षा और संशोधन करने की व्यवस्था है या नहीं, जो सुगम्यता को शामिल करने और उसे सर्वोत्तम प्रथा के रूप में आदर्श नीति के साथ संरेखित करने का अवसर प्रदान कर सकती है।
- ☐ ऐसी राष्ट्रीय नीतियों या प्रतिबद्धताओं को पहचानें जिनमें समावेशी प्राप्ति नीतियों की आवश्यकता पहले से ही मौजूद हो सकती है।
  - विश्व भर की 170 देशों ने संयुक्त राष्ट्र की सीआरपीडी का अनुसमर्थन किया है, जो आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीतियों को प्रोत्साहित करता है। यह देखने के लिए कि आपका देश इस समझौते में शामिल है या नहीं, इस कड़ी पर जाएँ: http://bit.ly/2kEM1C7

- अन्य राष्ट्रीय आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीतियों में शामिल हैं, समावेशी शिक्षण से संबंधित नीतियाँ, दूर-संचार क्षेत्र में सुगम्यता को आवश्यक बनाने वाली नीतियाँ, सुगम्य वेबसाइटों को आवश्यक बनाने वाली नीतियाँ, वित्तीय सेवाएँ क्षेत्र में सुगम्यता को आवश्यक बनाने वाली नीतियाँ, आदि।
- प्रौद्योगिकी और/या अक्षमता का संचालन करने वाला राष्ट्रीय निकाय आपको वर्तमान अक्षमता-संबंधी राष्ट्रीय नीतियाँ उपलब्ध करा सकता है, जिनका उपयोग आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति की पैरवी करने के लिए किया जा सकता है।
  देश पर निर्भर करते हुए, ये संगठन सरकारी या नागरिक समाज वाले क्षेत्रों में स्थित हो सकते हैं।

☐ जाँचें कि क्या आपके देश की राष्ट्रीय सरकार की प्राप्ति नीतियों में सुगम्यता का उल्लेख हुआ है या नहीं।

- 2014 में, यूरोपीय संघ ने प्राप्ति निदेश (2014/24/ईयू) को संशोधित किया और उसमें यूरोप के सभी सार्वजनिक निकायों के लिए प्राप्तियों में सुगम्यता की अधिक सख्त आवश्यकताएँ शामिल कीं।
- पुनर्वास अधिनियम के अनुभाग 508 में आईसीटी उत्पादों और सेवाओं की संघ सरकार द्वारा खरीदों में सुगम्यता को आवश्यक बताया गया है। अमरीका के सुगम्यता (एक्सेस) बोर्ड ने इन आवश्यकताओं को अद्यतित करने के लिए एक अंतिम नियम जारी किया है।
- यूरोपीय संघ और 18 अन्य देश इस कड़ी पर स्थित विश्व व्यापार संगठन गेटवे के ज़रिए राष्ट्रीय प्राप्ति कानूनों और नीतियों के साथ संबंधित हैं: https://e-gpa.wto.org/en/ Agreement/Latest

☐ जाँचें कि आपके राष्ट्रीय मानक निकाय ने ईटीएसआई ईएन 301 549, अनुभाग 508, या डब्ल्यूसीएजी 2.0 जैसे किसी आईसीटी सुगम्यता मानक को अपनाया है या नहीं।

- ईटीएसआई ईएन 301 549 मानक अपनाने के लिए एक मानचित्र निर्मित करने हेतु जी3आईसीटी और ईटीएसआई दोनों ही मददगार हो सकते हैं।
- अपने राष्ट्रीय मानक निकाय को ढूँढ़ने के लिए इस वेबसाइट पर जाएँ: http://www.iso.org/iso/home/about/iso_members.htm

☐ अन्य निकटवर्ती शहरों से परामर्श करके देखें कि क्या उनके द्वारा आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीतियाँ अपनाई गई हैं अथवा नहीं।

- अधिकतर रॉकफेलर 100 लचीले शहर उन देशों में हैं जो सीआरपीडी की पुष्टि कर चुके हैं और उनमें स्मार्ट शहर भी होंगे जिन्होंने आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीतियाँ अपनाई हैं।

चरण 3: किसी अंतर्राष्ट्रीय आईसीटी सुगम्यता मानक को अपनाकर उसे स्थानीय स्तर पर लागू करना

☐ सबके लिए स्मार्ट शहर: प्राथमिकतापूर्ण आईसीटी सुगम्यता मानक औज़ार को लागू करने के लिए मार्गदर्शिका नामक दस्तावेज़ की समीक्षा करें, जिसमें तीन प्राथमिकतापूर्ण आईसीटी सुगम्यता मानक सूचीबद्ध किए गए हैं।

☐ इनका संदर्भ लेने के लिए किसी एक अंतर्राष्ट्रीय मानक को चुनें।

- आदर्श नीति इसके अनेक कारण गिनाती है कि प्राप्ति नीति में वैश्विक आईसीटी सुगम्यता मानक का उल्लेख क्यों करना चाहिए। आदर्श नीति निम्नलिखित मानकों की ओर इंगित करती है, जो सबके लिए स्मार्ट शहर: प्राथमिकतापूर्ण आईसीटी सुगम्यता के क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शिका नामक दस्तावेज़ में मौजूद तीन प्राथमिकतापूर्ण मानकों के बिलकुल समान हैं:
  - ईएन 301 549
  - पुनर्वास अधिनियम (अमरीका) के अनुभाग 508 की तकनीकी आवश्यकताएँ
  - डब्ल्यू3सी डब्ल्यूसीएजी 2.0 /आईएसओ/आईईसी 40500 (2013) (अनुभाग 9 देखें)

चरण 4:

आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति अपनाने के लिए सार्वजनिक जागरूकता और समर्थन निर्मित करना

☐ अधिक विस्तृत दायरे के सरकारी प्रबंधकों और सूचना प्रौद्योगिकी पेशेवरों के लिए अक्षमता और आईसीटी सुगम्यता पर विशिष्ट प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण गतिविधियाँ चलाएँ। जनसाधारण के लिए जागरूकता अभियानों पर विचार करें।

- सुस्पष्टता से अभिकल्पित प्रशिक्षण और क्षमता-निर्माण अभिगम अक्षमता-युक्त व्यक्तियों की संख्या और उनके समावेशन हेतु आईसीटी सुग्मयता की आवश्यकता के बारे में जागरूकता लाने में मदद कर सकते हैं।
- इनके आयोजन में तथा प्रशिक्षण सत्र चलाने में अक्षमता-युक्त व्यक्तियों को शामिल करें। यह संयुक्त राष्ट्र के सीआरपीडी के साथ सुसंगत है। इस उद्देश्य हेतु, सुगम्यता बैठकों का आयोजन करने के लिए एक मार्गदर्शिका नामक दस्तावेज़ एक उपयोगी संदर्भ है।
- आदर्श नीति का अनुभाग 5.2 "सुगम्यता क्या है", "अक्षमता-युक्त व्यक्ति आईसीटी का उपयोग कैसे कर सकते हैं", "आईसीटी सुगम्यता के फायदे: सामाजिक और व्यावसायिक","प्राप्ति प्रक्रिया में सुगम्यता को निर्दिष्ट करने और उसका मूल्यांकन करने की विधि", आदि विषयों पर प्रशिक्षणों के लिए विशिष्ट शिक्षण परिणाम सुझाता है।)

☐ प्राप्ति मंचों के लिए पंजीकृत व्यवसायों सहित, व्यवसायों के लिए हितधारकों की बैठकें आयोजित करें।

- आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीतियाँ अपनाने के व्यावसायिक और मानवाधिकार-संबंधी औचित्य को स्पष्ट करने के लिए उद्योगों और अन्य हितधारकों के साथ बैठकें आयोजित करें (मार्गदर्शिका का अनुभाग 7 देखें जो इसके औचित्य को और व्यावसायिक आवश्यकताओं को स्पष्ट करता है)।
- इसकी ओर ध्यान आकृर्षित करें कि प्रमुख कंपनियाँ कैसे अपनी आपूर्ति शृंखला और विक्रेता संबंधों को प्रबंधित करने के लिए प्राप्ति नीतियाँ भी अपना रही हैं।
- राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर मौजूद वर्तमान अधिदेशों का संदर्भ दें, उदाहरण के लिए अक्षमता-युक्त व्यक्तियों के लिए बने कानून, भेदभाव-रोधी कानून, या सूचना प्राप्त करने के अधिकारों से संबंधित कानून।

चरण 5: शहर के स्तर के दिशा-निर्देशों में समेकित करने के लिए आदर्श नीति को अपनाना

- ☐ नई नीति का प्रारूप तैयार करने, नीति को अपनाने, लागू करने, और उसकी समीक्षा करने के लिए एक समय-क्रम विकसित करें।
  - यद्यपि आदर्श नीति राष्ट्रीय शासन के लिए अभिकल्पित है, फिर भी उसे विशेष रूप से शहरी संदर्भ में लागू करने के लिए परिवर्तित किया जा सकता है।
  - इस प्रक्रिया में अक्षमता-युक्त व्यक्तियों की आवाज़ प्रमुख भूमिका निभा सकती है।
- ☐ आदर्श आईसीटी सार्वजनिक प्राप्ति नीति के मुख्य-मुख्य अनुभागों की समीक्षा करें और परिभाषाओं को संरेखित करें।
- ☐ शहर-स्तर की नीति के उद्देश्य निर्मित करें और मोटे-मोटे सिद्धांतों पर सहमति लाएँ।
  - आदर्श नीति के आधार-रूपी छह सिद्धांतों को विशेष रूप से प्रस्तुत करें: समदर्शिता, समावेशन, सुगम्यता, पारदर्शिता, अल्प-व्ययिता, और मितव्ययिता (आदर्श नीति का अनुभाग 3.2 देखें)
- ☐ इस पर विचार करें कि शहर के स्तर पर आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति विकसित करने और लागू करने के लिए भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों को कैसे आवंटित करना चाहिए।
  - आदर्श नीति का अनुभाग 4 देखें और आईसीटी सुगम्यता सार्वजनिक प्राप्ति नीति में कर्मचारियों, परिषदों और समितियों के लिए प्रमुख भूमिकाएँ निश्चित करें।
- ☐ प्रकार्यात्मक निष्पादन वक्तव्यों की समीक्षा वैश्विक मानकों के आधार पर करें और उन पर विचार-विमर्श करें।
  - प्राप्ति नीति का एक अतिमहत्वपूर्ण अंश उसमें उपयोग किए गए तकनीकी मानक होंगे (आदर्श नीति का अनुभाग 6 और नीति का परिशिष्ट 'क' प्रकार्यात्मक निष्पादन वक्तव्य समुच्चय देखें)। इन वक्तव्यों का सीधे उपयोग किया जा सकता है [उदा., 'गैर-चाक्षुक रीति से उपयोग' (2.1) 'सीमित दृष्टि के साथ उपयोग' (2.2), 'रंगों की पहचान करने की क्षमता के बिना उपयोग' (2.3)] क्योंकि वे अनुभाग 508 और ईटीएसआई ईएन 301 549 में दिए गए कथनों में सामंजस्य लाने का लक्ष्य रखते हैं। सबके लिए स्मार्ट शहर: प्राथमिकतापूर्ण आईसीटी सुगम्यता मानक के क्रियान्वयन के लिए मार्गदर्शिका नामक दस्तावेज़ से संबंधित उपकरण, भी देखें।

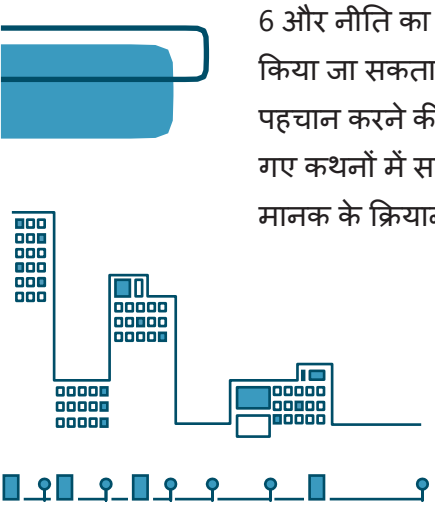

- ठेके के खाकों की समीक्षा करें और ठेकों के अनुबंधों में सुगम्यता को निर्दिष्ट करें।
  - वर्तमान ठेका खाकों की समीक्षा प्राप्ति और कानूनी अधिकारियों की मदद से करें ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कैसे इनमें सुगम्यता की आवश्यकताओं को एक मानक के रूप में सम्मिलित किया जा सकता है और उनमें वैश्विक मानकों या शहर की विकसित हो रही आईसीटी सुगम्यता प्राप्ति नीति का संदर्भ दिया जा सकता है (अनुभाग 13 देखें)।

- संभावित विक्रेताओं से जानकारी एकत्र करने और एकत्रित जानकारी का आकलन करने की विधियों की समीक्षा करें। इसमें वर्तमान अनुपालन का आकलन करने की क्षमता भी शामिल है:
  - उत्पाद के स्तर पर: - आदर्श रूप से समाधान के स्तर पर उपयोग के संदर्भ में - अर्थात, जब सभी घटकों का विकास हो चुका हो और उन सबको परस्पर बद्ध रीति से काम करने के लिए बिठा दिया गया हो, तब सुगम्यता मानकों का समर्थन कैसे किया जाएगा
  - कार्यान्वयन के स्तर पर: अर्थात, जब समाधानों को वर्तमान परिवेशों में "जैसे वे निर्मित हुए हैं वैसे"
    सम्मिलित किया जाता है, तब सुगम्यता मानकों का समर्थन कैसे किया जाएगा

- अपनी वर्तमान प्राप्ति प्रक्रिया को आदर्श नीति में उल्लिखित प्राप्ति प्रक्रिया की पाँच अवस्थाओं के साथ मिलाकर देखें। इससे वर्तमान प्राप्ति प्रक्रिया के रिक्त स्थानों का पता चलेगा तथा वे स्थान स्पष्ट होंगे जिन्हें आदर्श नीति के साथ संरेखित करने की आवश्यकता है। ऐसा मिलान करते समय इसका भी स्मरण करें कि शहर स्तर की प्रक्रिया शासन की राष्ट्रीय स्तर की प्रक्रिया से भिन्न होगी।

- प्राप्ति प्रक्रिया की पाँच अवस्थाओं में पूरी की जाने वाली विभिन्न कार्रवाइयों के लिए पूरा करने हेतु विशिष्ट समय-सीमा तय करने पर विचार करें, उदाहरण के लिए अनुमोदन प्राप्त करने की समय-सीमा, अपवादों को संसाधित करने की समय-सीमा, आदि।

प्राप्ति की पाँच अवस्थाएँ

1. **तैयारी के उद्देश्य से प्रारंभिक अध्ययन** – प्राप्ति अधिकरण आवश्यक उत्पाद या सेवा मुहैया करने की बाज़ार (अर्थात विक्रेता) की क्षमता की जाँच-परख करता है। प्राप्त की जाने वाली आईसीटी समाधान की संगठनात्मक और अंतिम उपयोगकर्ता आवश्यकताओं को निर्धारित करता है।

2. **निविदा दस्तावेज़ लिखना** - प्राप्ति अधिकरण निविदा दस्तावेज़ तैयार करता है और उसे आवश्यक उत्पाद या सेवा के सटीक विवरण तथा प्राप्ति प्रक्रिया की शर्तों के साथ संभावित विक्रेताओं को भेजता है। इस अवस्था में, प्राप्ति अधिकरण यह दर्शाने के लिए प्रमाणों का चयन करेगा तथा प्रमाणों का अनुरोध करेगा कि सुगम्यता कसौटियों के साथ सुसंगतता है।

3. **निविदा के लिए आए उत्तरों का मूल्यांकन** - प्राप्ति अधिकरण प्रत्येक विक्रेता द्वारा भेजे गए उत्तर का मूल्यांकन निविदा दस्तावेज़ में उल्लिखित कसौटियों के आधार पर करेगा। मूल्यांकन में शामिल हो सकता है, अनुपालन की आत्म-घोषणाएँ, समर्थक प्रमाणों के साथ आत्म-घोषणाएँ, तृतीय पक्षीय आकलन प्रमाणपत्रों के परिणामों के साथ आत्म-घोषणाएँ, आदि को ध्यान में लेने की व्यवस्था। मसलन, अमरीका में स्वेच्छापूर्ण उत्पादन सुगम्यता खाके (वीपीएटी) मौजूद हैं जिनमें विक्रेता सूचित कर सकते हैं कि क्या उन्होंने सुगम्यता आवश्यकताओं को पूरा किया है या नहीं (अनुभाग 8 देखें)।

4. **मुहैया किए जाने वाले उत्पादों और सेवाओं का मूल्यांकन** - प्राप्ति अधिकरण को सुनिश्चित करना होगा कि मुहैया किए जाने वाले सभी उत्पाद और सेवाएँ निवादा दस्तावेज़ में उल्लिखित कसौटियों के अनुसार हैं। उदाहरण के लिए, इसमें शामिल हो सकता है, अक्षमता-युक्त लोगों द्वारा उपयोगकर्ता-परीक्षण।

5. **अनुबंधों का प्रबंधन** – अनुबंध प्रबंधन में सुगम्यता को कैसे अपनाया जाएगा इसे परिभाषित करें। इसमें शामिल हो सकती है, अपवादों को संसाधित करने के लिए कोई प्रक्रिया, और विक्रेताओं और उपयोगकर्ताओं, इन दोनों से ही प्रतिपुष्टि प्राप्त करने का कोई तरीका। यह आईसीटी सेवाओं की प्राप्ति के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है।

चरण 6: शहर भर के अभिकरणों में क्रियान्वयन को सक्षम करना

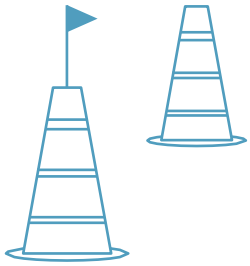

- ☐ वर्तमान सुगम्यता प्रशिक्षण और पेशकशों का आकलन करें। अनुपस्थित प्रशिक्षण पेशकशों को पहचानें और उनका वरीयता-क्रम निश्चित करें।
- ☐ एक सुगम्यता प्रशिक्षण योजना तैयार करें ताकि इसे परिभाषित किया जा सके कि किसे प्रशिक्षण मिलना चाहिए। इसे निर्धारित करें कि आप कब और कैसे नया प्रशिक्षण उपलब्ध कराएँगे।
- ☐ जन-साधारण और सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों के उपयोग हेतु प्रशिक्षण, क्षमता-निर्माण और इस नीति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के अभियान निर्मित करें और उन्हें क्रियान्वित करें। केंद्रभूत आवश्यकताओं का समाधान करने के लिए सुगम्यता प्रशिक्षण संसाधन विकसित करें / प्राप्त करें / उपलब्ध कराएँ। रिक्तियों को पूरा करने के लिए अन्य शहरों और सरकारों द्वारा विकसित प्रशिक्षण संसाधनों से लाभ लें। एक प्रशिक्षण कैलेंडर विकसित करें और उसे प्रकाशित करें तथा संबंधित एजेंसियों के प्रबंधन और उनके कर्मचारियों को इन प्रशिक्षण पेशकशों की जानकारी दें।
- ☐ जहाँ प्रशिक्षक द्वारा संचालित प्रशिक्षण आवश्यक हो, वहाँ प्रयासों को विस्तारित करने के लिए "प्रशिक्षक का प्रशिक्षण" विकल्प अपनाएँ।
- ☐ प्रशिक्षण पा रहे कर्मचारियों का लेखा-जोखा रखें।
- ☐ प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए कर्मचारियों से प्रतिपुष्टि माँगें।

चरण 7: नई प्राप्ति नीति के क्रियान्वयन का अनुवीक्षण और समीक्षा

- ☐ नीति के नियमित (न्यूनतम हर 2 साल में) अनुवीक्षण हेतु कोई प्रक्रिया निर्मित करें
  - क्रियान्वयन के अनुवीक्षण और समीक्षा तथा नीति में आवश्यक परिवर्तन करने के लिए बजट में प्रावधान करें। अनुवीक्षण और समीक्षा में अक्षमता-युक्त व्यक्तियों को शामिल करें, उदा., अंतिम-उपयोगकर्ता, शहर के कर्मचारी, और नागरिक।
- ☐ सफलता के दृष्टांतों को साझा करें, जिनमें अन्य स्मार्ट शहर की सफलताएँ और सीआरपीडी निगरानी प्रक्रिया की सफलताएँ भी शामिल हैं।
  - आपके द्वारा किए गए नवप्रवर्तनों और उन्नयनों को सीआरपीडी समिति के साथ साझा करने से आपके देश के बारे में सूचना विनिमय को समर्थन मिलेगा और अन्य शहरों को आपके अनुभवों से सीखने का मौका मिलेगा। सुगम्य प्राप्ति में निवेश से कैसे अधिक नवप्रवर्तन प्राप्त किया जा सकता है, इसे रेखांकित करने के लिए आईसीटी सुगम्यता में नवप्रवर्तन के लिए कोई पुरस्कार देने पर विचार करें।

4

निष्कर्ष

प्राप्ति सरकारों को उपलब्ध सर्वाधिक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली नीति साधनों में से एक है। प्राप्ति नीतियाँ कई क्षेत्रों को बहुत अधिक प्रभावित कर सकती हैं, जिनमें शामिल हैं बाज़ारों और व्यक्तिगत कंपनियों का बर्ताव, और नागरिकों का जीवन। यह अक्षमता-युक्त व्यक्तियों और बुजुर्ग जनों के लिए विशेष रूप से सच है, जो, जिस तरह के शहरी परिवेश में वे रहना चाहते हैं और उनमें उपलब्ध सुविधाओं तक कैसे पहुँच प्राप्त कर सकते हैं, और इन सुविधाओं का वे कैसे उपयोग कर सकते हैं, इन सब चीज़ों से संबंधित निर्णयों में उन्हें शामिल किए जाने के लिए नीति-निर्माताओं पर निर्भर करते हैं।

चूँकि सरकारें आईसीटी के सबसे बड़े खरीदारों में से एक हैं, इसलिए स्मार्ट शहर कार्यक्रमों और समाधानों में आईसीटी सुगम्यता सुनिश्चित करने के लिए प्राप्ति विशेष रूप में महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियाँ पहले से ही मौजूद हैं, जिन्हें शहर सीधे अपना सकते हैं, और इस तरह वे बिलकुल नई नीतियाँ विकसित करने की लंबी प्रक्रिया में से गुज़रने से बच सकते हैं। इसके बजाए, वर्तमान राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय नीतियों को आवश्यकतानुसार परिवर्तित करके उन्हें व्यक्तिगत शहरों के लिए उपयुक्त बनाया जा सकता है, और इसके लिए इस मार्गदर्शिका में 7 चरणों की एक जाँच-सूची दी गई है। इस जाँच-सूची में उल्लिखित चरणों को कार्यान्वित करके, स्मार्ट शहर के नियंता अपने कर्मचारियों और जन-साधारण में आईसीटी सुगम्यता के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ा सकते हैं और सभी के लिए डिजिटल समावेशन को समर्थित करने वाली नीतियाँ स्थापित कर सकते हैं।

जी3आईसीटी

समावेशी सूचना और संप्रेषण प्रौद्योगिकियाँ नामक वैश्विक पहल संयुक्त राष्ट्र के आईसीटी और विकास हेतु वैश्विक गठबंधन द्वारा, अक्षमता-युक्त लोगों के अधिकारों से संबंधित संधि के सचिवालय के सहयोग से, संयुक्त राष्ट्र डीईएसए में दिसंबर 2006 को लोकार्पित वकालती पहल है। इसका मिशन है, अक्षमता युक्त लोगों के अधिकारों से संबंधित संधि (सीआरपीडी) के प्रावधानों के कार्यान्वयन को सुगम बनाना और समर्थित करना और डिजिटल सुगम्यता और सहायक प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना। अधिक जानकारी यहाँ है: http://g3ict.org/

सक्षम विश्व

सक्षम विश्व एक वैश्विक शिक्षण, संप्रेषण और रणनीतिक परामर्श समूह है। हम कंपनियों और सरकारों को अक्षमता-युक्त लोगों के अधिकारों को बढ़ावा देने वाले कानूनी अधिकारों के पूर्ण क्रियान्वयन में समर्थित करते हैं। हमारा कार्य और शोध पहल शहरी आयोजन और समावेशी शहर विकास पर ध्यान केंद्रित करती हैं। अपने अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ मिलकर हम समावेशी समाज निर्मित करते हैं जिनमें अक्षमता-युक्त व्यक्ति अपनी प्रतिभाओं को पूरी तरह से विकसित करते हैं और अपनी पूर्ण क्षमताओं को प्राप्त करते हैं। अधिक जानकारी यहाँ उपलब्ध है -

http://worldenabled.org/

टीम का आत्व-वृत्त

इस पहल का नेतृत्व जी3आईसीटी के उपाध्यक्ष जेम्स थर्स्टन और सक्षम विश्व के अध्यक्ष डॉ. विक्टर पिनेदा कर रहे हैं। जेम्स और विक्टर दोनों ही प्रमुख वैश्विक विशेषज्ञ हैं जो एक विस्तृत गठबंधन निर्मित करने के लिए समर्पित हैं जो यह सुनिश्चित करेगा कि अक्षमता-युक्त लोग भी स्मार्ट शहरों द्वारा प्राप्त की गई आश्चर्यजनक उन्नतियों का लाभ अन्य लोगों के ही समान ले सकेंगे।

डॉ. विक्टर सैंटिएगो पिनेडा सक्षम विश्व के अध्यक्ष हैं। विक्टर सैंटियागो पेनेडा सुगम्य प्रौद्योगिकी और पर्यावरण के वैश्विक गठबंधन (जीएएटीइएस) के अध्यक्ष भी हैं। डॉ. पिनेदा अंतर्राष्ट्रीय अक्षमता अधिकारों के क्षेत्र के जाने-माने अग्रणी विशेषज्ञ हैं जिन्हें अमरीका के राष्ट्रपति बराक ओबामा ने वास्तुशिल्पीय और परिवहन बाधाएँ अनुपालन बोर्ड में शामिल किया था। वे कैलिफोर्निया विश्वविद्याल, बेर्कली, में शहर आयोजन सिखाते हैं। डॉ. पिनेदा को अनेक पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें शामिल हैं राष्ट्रीय विज्ञान प्रतिष्ठान (एनएसएफ) नवप्रवर्तन अनुसंधान अनुदान, फुलब्राइट-हेस छात्रवृत्ति, और एएपीडी पॉल जी. हिएर्न नेतृत्व पुरस्कार। डॉ. पिनेदा ने कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बेर्कली, से बी.ए., बी.एस., और एम.सी.पी. की पदवियाँ, और कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस ऐंजेल्स, से पी.एचडी. की पदवी प्राप्त की है।

जेम्स थर्स्टन प्रौद्योगिकी नीति के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय रूप से विख्यात विशेषज्ञ हैं। वैश्विक रणनीति और विकास के विषय के लिए जी3आईसीटी के अध्यक्ष के रूप में, आप नए कार्यक्रमों के अभिकल्पन और कार्यान्वयन का नेतृत्व करते हैं ताकि जी3आईसीटी के वैश्विक प्रभाव को अधिक विस्तार दिया जा सके। आपने अमरीका और अन्य देशों के उच्च पदासीन वैश्विक नेताओं को प्रौद्योगिकी नीति, मानवाधिकार और डिजिटल समावेशन पर परामर्श दिया है। आपको महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों के समाधान हेतु प्रौद्योगिकी और लोक-नीति, इन दोनों के ही क्रियान्वयन का अनुभव है। आपको निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों में नीतिगत और प्रबंधकीय अनुभव है जो सरकार के संघीय, राज्य-स्तरीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों तक व्याप्त है। जी3आईसीटी में शामिल होने से पहले थर्स्टन महोदय Microsoft में अंतर्राष्ट्रीय सुगम्यता नीति के निदेशक थे, जहाँ आपने अक्षमता और प्रौद्योगिकी के मामलों से संबंधित उस कंपनी के कार्यक्रमों को विस्तार देने के लिए एक विश्व-व्यापी रणनीति विकसित की और उसे कार्यान्वित किया। थर्स्टन महोदय ने वाशिंगटन विश्वविद्यालय से लोक प्रकाशन और पूर्वीय यूरोपीय अध्ययन इन दोनों ही विषयों में निष्णात स्तर (एमए) तक की पढ़ाई की है। इसके अलावा आपने मेइन विश्वविद्यालय से अंतर्राष्ट्रीय मामले विषय पर स्नातक (बीए) की पदवी प्राप्त की है।

सबके लिए स्मार्ट शहर संसाधन

www.**smartcities4all**.org पर जाएँ और अतिरिक्त उपकरण डाउनलोड करें

संपर्क करें: info@**smartcities4all**.org

Smart Cities for All